STEPPING STONE SCHOOL (HIGH)

Class –VI

Sub-2nd Lang(Hindi)

Topic:Rapid Reader

Worksheet-16

Date-10.06.2020 Time:40mins

दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

अयोध्या

सरयू नदी के किनारे कोसल नाम का एक प्रसिद्ध जनपद था। वहाँ के राजा दशरथ बड़े प्रतापी, उदार, सत्यप्रतिज्ञ और सदाचारी थे। वे सदा कुल की मर्यादा के अनुसार अपने धर्म का पालन करते थे। उनके राज्य में प्रेम, पवित्रता और शांति थी। सगर, रघु, दिलीप, अज आदि अपने पूर्वजों की तरह उनकी कीर्ति भी चारों ओर फैली हुई थी।

इस जनपद की मुख्य नगरी अयोध्या थी। इसे स्वयं महाराज मनु ने बनवाया था। यह महानगरी बारह योजन लंबी और तीन योजन चौड़ी थी। नगर के बीचों-बीच राजमहल था। वहाँ से बाहर जाने के विशाल राजमार्ग पर हरे-भरे वृक्षों की पंक्तियाँ थीं। अनेक उद्यान, सरोवर, क्रीड़ागृह तथा ऊँची-ऊँची अट्टालिकाएँ नगर की शोभा में वृद्धि करती थीं। नगर की सुरक्षा के लिए चारों ओर ऊँची और चौड़ी दीवार बनी थी। दीवार के ऊपर सैकड़ों शतघ्नियाँ (प्राचीन शस्त्र) रखी हुई थीं। दीवार के बाहर जल से भरी एक गहरी खाई थी, जिसमें तरह-तरह के कमल खिले रहते थे।

नगर के फाटक मज़बूत और विशाल थे। वहाँ अनेक शूरवीर सैनिक सुरक्षा के लिए सदा तैनात रहते थे। नगरी में विद्वान ब्राह्मण, नृत्य और संगीत में पारंगत कलाकार, अस्त्र-शस्त्रों की विद्या में प्रवीण वीर, संपन्न व्यापारी वास करते थे। अयोध्यावासी खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे थे।

राजा दशरथ के अत्यंत गुणवान आठ मंत्री थे। धृष्टि, जयन्त, विजय, सुराष्ट्र, राष्ट्रवर्धन, अकोप, धर्मपाल और सुमंत्र सहित सभी मंत्री राजा की इच्छा के अनुसार जनहित के कामों में लगे रहते थे। अर्थशास्त्र के ज्ञाता सुमंत्र इन सभी मंत्रियों में प्रमुख तथा राजा के प्रिय थे। राजा दशरथ प्रजाहित के कार्यों में वसिष्ठ, वामदेव आदि राजपुरोहितों की सलाह पर विशेष ध्यान देते थे।

राजा दशरथ प्रायः चिंतित रहते थे क्योंकि उनकी कोई संतान नहीं थी। एक दिन उनके मन में यह विचार आया कि पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ किया जाए। इस विषय में उन्होंने अपने मंत्रियों और पुरोहितों से मंत्रणा की। सभी ने इस विचार का स्वागत किया। राजा दशरथ ने अपनी रानियों को भी इस यज्ञ की सूचना दी। वे भी यह सुनकर अत्यंत प्रसन्न हुईं।

महामंत्री सुमंत्र ने सलाह दी कि तपस्वी ऋष्यशृंग को पुत्रेष्टि यज्ञ का आचार्य बनाया जाए। राजा दशरथ स्वयं ऋषि को आश्रम से लाए तथा विधिपूर्वक उनका पूजन और सत्कार किया। ऋषि अपनी पत्नी शांता के साथ कुछ समय तक वहाँ रहे।

I. विलोम शब्द लिखिए

i. विशाल

ii. राजा

iii. प्रसन्न

iv. प्राचीन

II. दो दो पर्यायवाची शब्द लिखिए

i. सरोवर

ii. पुत्र

iii. कमल

iv.उद्यान

III. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

i. राजा दशरथ कौन थे , वे कैसे राजा थे ?

ii. राजा दशरथ के पूर्वज कौन थे ?

iii. अयोध्या नगरी को किसने बनाया था? यह नगरी कैसी थी ?

iv. राजा दशरथ के 8 मंत्रियों के नाम लिखिए !

v. राजा दशरथ क्यों चिंतित थे ?

lv.) खाली स्थान भरो :

i.)--------- नदी के किनारे---------- नाम का एक प्रसिद्ध जनपद था ।

ii.)--------- के ज्ञाता---------- सभी मंत्रियों में प्रमुख तथा राजा के प्रिय मंत्री थे।

iii.) तपस्वी---------- को ----------

यज्ञ का आचार्य बनाया गया था।